OFFICE CULTURE

बॉडी लैंग्वेज बताती है आप प्रोफेशनल हैं या नहीं



पत्रिका फीचर डेस्क
patrika.com

1. ऑफिस में आपकी काबिलियत सिर्फ आपके काम से नहीं, बल्कि आपकी बॉडी लैंग्वेज से भी आंकी जाती है। इसे ऐसे समझें।

2. सबसे पहली चीज है आई कॉन्टैक्ट। मीटिंग में लगातार फोन या लैपटॉप स्क्रीन पर नजरें गड़ाए रखना यह दिखाता है कि आप बातचीत में दिलचस्पी नहीं ले रहे। सही आई कॉन्टैक्ट भरोसा और ध्यान दोनों दिखाता है।

3. दूसरी अहम बात है पॉश्चर। कुर्सी पर झुककर बैठना या बार-बार पैर हिलाना नर्वसनेस और कम आत्मविश्वास का संकेत माना जाता है, जबकि सीधी मुद्रा और स्थिर बैठना प्रोफेशनल इमेज बनाता है।

4. हाथों की हरकतें भी मायने रखती हैं। बार-बार हाथ छिपाना, जेब में हाथ डालना या टेबल पर उंगलियां थपथपाना डिस्ट्रैक्टिंग लगता है और सामने वाले को असहज कर सकता है।

HELPING CAREER

रेलवे में 590 पदों पर निकली भर्तियां



रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड ने 590 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन मांगे हैं। ये भर्तियां नर्सिंग सुप्रीटेंडेंट, फार्मासिस्ट, लैब असिस्टेंट, रेडियोग्राफर, ईसीजी टेक्नीशियन समेत कई पदों के लिए हैं। आवेदन ऑनलाइन किए जा सकते हैं। आवेदन की अंतिम तारीख 14 अक्टूबर, 2026 है। आवेदक की न्यूनतम उम्र 18 साल और अधिकतम 40 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए। ध्यान रखें अलग-अलग पदों के लिए उम्र सीमा अलग है। आरक्षण के नियम के मुताबिक, उम्र में छूट दी जाएगी। कैंडिडेट का सेलेक्शन कम्प्यूटर बेस्ड एग्जाम में प्रदर्शन के जरिए होगा।

https://www.rrbapply.gov.in/

CAREER-OPTION | वर्ल्ड आर्किटेक्चर डे (05 अक्टूबर)

आर्किटेक्ट बनकर संवारें अपना कॅरियर

पत्रिका फीचर डेस्क
patrika.com

जब आप किसी शहर से गुजरते हैं, तो सबसे पहले आपकी नजर इमारतों पर पड़ती है। शानदार डिजाइन, अनोखे आकार और रंग–ये सब एक आर्किटेक्ट की कल्पना से ही बनते हैं। विश्व आर्किटेक्चर दिवस अक्टूबर के पहले सोमवार (5 अक्टूबर) को मनाया जाता है। अगर इमारतें डिजाइन करना चाहते हैं तो जानिए कैसे बनते हैं आर्किटेक्ट और कहां-कहां मिलते हैं मौके।

आर्किटेक्चर क्या है?

आर्किटेक्चर का मतलब सिर्फ खूबसूरत इमारतें बनाना नहीं है। यह कला, विज्ञान और इंजीनियरिंग का मिश्रण है। आर्किटेक्ट्स को इमारत को सुंदर और मजबूत दोनों बनाना होता है, साथ ही पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार भी होना होता है।

कैसे बनें आर्किटेक्ट?

आर्किटेक्ट बनने के लिए 12वीं में मैथ्स और फिजिक्स जरूरी है।

बैचलर ऑफ आर्किटेक्ट (बी-टेक): यह 5 साल का प्रोग्राम है जिसमें डिजाइन, ड्राइंग, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग, बिल्डिंग टेक्नोलॉजी और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सिखाया जाता है। टॉप कॉलेजों में एनटीए द्वारा आयोजित नेशनल एप्टिट्यूड टेस्ट के माध्यम से आर्किटेक्चर में एडमिशन मिलता है।



प्रमुख संस्थान

- **आइआइटी** खड़गपुर, मुंबई, दिल्ली (जहां आर्किटेक्चर पढ़ाया जाता है)
- **स्कूल** ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, दिल्ली
- **सेंटर** फॉर एन्वॉयर्नमेंटल प्लानिंग एंड टेक्नोलॉजी, अहमदाबाद
- **निलम्बर** आर्कि. कॉलेज, बैंगलोर
- **इंदिरा** गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू)

नौकरी के मौके

- **सरकारी** विभाग
- **निजी** आर्किटेक्ट्स फर्म्स
- **निर्माण** कंपनियां (टाटा, गोदरेज, डीएलएफ)
- **आइटी** पार्क्स और विशेष आर्थिक क्षेत्र
- **होटल** और हेरिटेज प्रोजेक्ट्स
- **फ्रीलांसिंग** (अपनी खुद की प्रैक्टिस)

ये स्किल्स हैं जरूरी

- रचनात्मकता और कल्पना
- डिजाइन सॉफ्टवेयर की जानकारी
- मैथ्स और विजुअल स्पेस की समझ
- कम्युनिकेशन (क्लाइंट्स के साथ बातचीत)
- समस्या समाधान

सैलरी

- **शुरुआती** दौर में 25 हजार से 40 हजार रुपए मासिक मिलते हैं।
- **अनुभव** के साथ सैलरी में इजाफा होता है।

कॅरियर के विकल्प

1. **कमर्शियल आर्किटेक्चर:** बड़ी बिल्डिंग्स, मॉल्स, ऑफिस कॉम्प्लेक्स डिजाइन करना।
2. **रेजिडेंशियल आर्किटेक्चर:** घर, अपार्टमेंट और आवासीय कॉम्प्लेक्स बनाना।
3. **इंटीरियर आर्किटेक्चर:** घर के अंदर का डिजाइन, फर्नीचर, प्लेसमेंट।
4. **लैंडस्केप आर्किटेक्चर:** बाग, पार्क्स और खुली जगहों की डिजाइनिंग।
5. **शहरी नियोजन:** पूरे शहर की योजना बनाना और एक व्यवस्थित खाका बनाना।
6. **स्थायी आर्किटेक्चर:** पर्यावरण के अनुकूल इमारतें बनाना यह भविष्य का ट्रेंड है।

इंटर्नशिप और रजिस्ट्रेशन

- **इंटर्नशिप और प्रैक्टिकल अनुभव:** आर्किटेक्चर की पढ़ाई के दौरान ही 6-12 महीने की इंटर्नशिप होती है। यह अनुभव बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे आप असली प्रोजेक्ट पर काम करते हैं और साइट विजिट करते हैं।
- **रजिस्ट्रेशन जरूरी है:** भारत में प्रैक्टिस करने के लिए आपको काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर में रजिस्टर होना जरूरी है। यह रजिस्ट्रेशन आपकी योग्यता को मान्यता देता है।

GK STUDY

क्या है डीप डिप्रेशन और फास्ट टेलीस्कोप?

पत्रिका फीचर डेस्क
patrika.com

यूपीएससी समेत कई परीक्षाओं में करंट अफेयर्स से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं। जानिए, कुछ ऐसे शब्द जो चर्चा में रहे।

- **डीप डिप्रेशन:** हाल में मौसम विभाग ने डीप डिप्रेशन की चेतावनी दी। डीप डिप्रेशन समुद्र के ऊपर बना एक मजबूत मौसमी सिस्टम होता है। मौसम विभाग ऐसी प्रणालियों को उनकी ताकत और हवा की गति के आधार पर अलग-अलग श्रेणियों में रखता है। डिप्रेशन के मामले तीन मिनट की औसत सतही हवा की गति 31 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। डीप डिप्रेशन में यह गति करीब 52 से 61 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। वहीं, जब हवा की गति 63 किलोमीटर प्रति घंटा या इससे अधिक होती है तो इसे चक्रवाती तूफान की श्रेणी में रखते हैं।
- **फास्ट टेलीस्कोप:** चीन अपने फास्ट टेलीस्कोप में 24 नए एंटीने जोड़कर 30 गुना पावरफुल बना रहा है। इसका पूरा नाम फाइव हंड्रेड मीटर अपर्चर स्फेरिकल टेलीस्कोप है। यह सिर्फ तस्वीरें ही नहीं लेता, अंतरिक्ष की तरंगों को भी सुनता है। इन नई दूरबीनों को फास्ट के साथ जोड़कर एक विशाल नेटवर्क बनाया जाएगा। अंतरिक्ष से आने वाले रेडियो संकेतों को पहले से अधिक बारीकी से समझने की उम्मीद है।

JOBS ALERT

- **सेंटर पावर रिसर्च इंस्टीट्यूट**
 पद: टेक्निकल असिस्टेंट आदि
 पद संख्या: कुल 110 पद
 अंतिम तिथि: 12 अक्टूबर, 2026
 https://cpri.res.in/
- **एचएलएल इंफ्राटेक सर्विसेज लिमिटेड**
 पद: सीनियर मैनेजर आदि
 पद संख्या: कुल 21 पद
 अंतिम तिथि: 10 अक्टूबर, 2026
 https://api.hllhites.com/
- **बीसीपीएल**
 पद: टेक्नीशियन, फोरमैन आदि
 पद संख्या: कुल 24 पद
 अंतिम तिथि: 09 अक्टूबर, 2026
 https://bcplonline.co.in/
- **इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड**
 पद: एसोसिएट इंजीनियर
 पद संख्या: कुल 20 पद
 अंतिम तिथि: 12 अक्टूबर, 2026
 https://recruitment.eil.co.in

BE CREATIVE

स्टूडेंट हों या प्रोफेशनल, क्रिएटिव बनने के लिए ये 5 तरीके अपनाएं

स्टूडेंट हों या प्रोफेशनल, खुद को क्रिएटिव बनाते हैं तो आपको इसका फायदा जरूर मिलता है। क्रिएटिव लोगों को मालूम है कि किस काम को कैसे अलग तरह से करना है जो आपको अलग दिखाएं और फायदा पहुंचाएं।



1. **अपनी फील्ड से हटकर पढ़ें:** पढ़ना जरूरी है, इसके लिए अपनी मनपसंद फील्ड से हटकर पढ़ें। साइंस आर्टिकल्स जानकारी बढ़ाने के साथ ही ब्रेन पर अच्छा असर डालते हैं। कुछ प्रेरित करने वाला भी पढ़ सकते हैं। किसी सफल इंसान की जर्नी पढ़ें, जो इंस्पायर करे।
2. **हमेशा एक नोटबुक रखें:** क्रिएटिव और यूनिक आइडियाज हर समय नहीं आते, इसलिए अपने पास हमेशा एक नोटबुक रखें। कई बार लिखने से नए आइडियाज पैदा होते हैं। लिखने की आदत डालें।
3. **क्रिएटिव हॉबी बढ़ाएं:** कई रिसर्च में यह साबित हुआ है कि अगर आप अपनी हॉबी को थोड़ा समय देते हैं तो तनाव कम होता है और आपकी क्रिएटिव स्किल्स बढ़ती हैं। खुलकर सोचने का दायरा बढ़ता है।
4. **ब्रेन स्टॉर्मिंग:** रोजाना कुछ न कुछ ऐसी एक्टिविटी जरूर करें जो ब्रेन पर पॉजिटिव असर डाले। उदाहरण के लिए ऑनलाइन या ऑफलाइन पजल गेम्स, स्पेलिंग गेम्स आदि। इनसे सकारात्मक असर होता है।
5. **क्रिएटिव स्किल्स को बढ़ाएं:** स्किल्स को बढ़ाना इतना भी मुश्किल नहीं है। सोशल मीडिया और यूट्यूब इसके लिए एक जरिया बन सकता है। नई-नई स्किल्स सीखें और आगे बढ़ें।

JOB TREND | बदल रहा जॉब का ट्रेंड

अब एआइ जॉब्स के लिए टियर-2 और 3 शहर भी बन रहे हायरिंग का हब

देश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआइ से जुड़ी नौकरियां अब बेंगलुरु, मुंबई और दिल्ली जैसे बड़े महानगरों तक सीमित नहीं रहीं। जॉब सर्च प्लेटफॉर्म इनडीड के लेटेस्ट एआइ जॉब्स ट्रैकर रिपोर्ट के मुताबिक, एआइ हायरिंग अब देश के टियर-2 और टियर-3 शहरों में तेजी से बढ़ रही है। अब कंपनियों के लिए स्किल्स ज्यादा मायने रखती हैं, शहर का पोस्टकोड नहीं।

- **कहां बढ़ रही हायरिंग?**

टियर-1 शहर अभी भी एआइ रिक्रूटमेंट में सबसे आगे हैं। 48% कंपनियों ने इन्हें ही हायरिंग ग्रोथ का मुख्य स्रोत बताया। लेकिन खास बात यह है कि करीब चार में से एक कंपनी अब टियर-2 और टियर-3 शहरों को उभरते हुए एआइ टैलेंट हब मान रही है। शहरों की बात करें तो मुंबई ने सबसे ज्यादा हायरिंग मोमेंटम दिखाया। 56% कंपनियों ने वहां एआइ भर्ती में बढ़ोतरी दर्ज की। इसके बाद दिल्ली-एनसीआर 50%, चेन्नई 47% और बेंगलुरु 44% पर रहे। मेट्रो शहरों से बाहर, अहमदाबाद और चंडीगढ़ टियर-2 शहरों में सबसे आगे निकले, जहां 43% कंपनियों ने एआइ प्रोफेशनल्स की बढ़ती मांग बताई।



- **छोटे शहरों को तरजीह क्यों:** इस बदलाव के पीछे दो बड़ी वजहें हैं। पहली, प्रोफेशनल्स अब बड़े शहरों में शिफ्ट होने के बजाय अपने होमटाउन के आसपास ही करियर बनाना पसंद कर रहे हैं। दूसरी, कंपनियां डिजिटल कोलैबोरेशन टूल्स की मदद से डिस्ट्रिब्यूटेड टीमें मैनेज करने में सहज हो चुकी हैं।

TECH-TIP

वॉट्सऐप पर ऐसे भेजें फोटो-वीडियो, नहीं ले पाएंगे स्क्रीनशॉट



1. वॉट्सऐप में ऐसे कई फीचर्स हैं, जिनकी मदद से आप अपनी प्राइवेसी पर ज्यादा कंट्रोल रख सकते हैं। फिर चाहें आपके वीडियोज हों या आपकी फोटो। कई बार आप किसी को फोटो या वीडियोज भेजना तो चाहते हैं, लेकिन यह नहीं चाहते कि वो उसे सेव करे या स्क्रीनशॉट ले।
2. ऐसे मामलों में वॉट्सऐप के व्यू वंस फीचर इस्तेमाल कर सकते हैं। इस फीचर के जरिए भेजी गई फोटो या वीडियो देखने के बाद चैट से गायब हो जाती है।
3. वॉट्सऐप के मुताबिक, ऐसे मीडिया को पाने वाला व्यक्ति उसे अपनी फोटो गैलरी में सेव नहीं कर पाएगा और स्क्रीनशॉट या स्क्रीन रिकार्डिंग भी नहीं कर पाएगा।
4. इस तरीके से वीडियो या फोटो भेजने के लिए फोटो को अटैच करें। फिर भेजने से पहले कैप्शन के पास बने 1 वाले गोल आइकन पर टैप करें और सेंड पर टैप करें।

HELPING APP

15-50 वर्ष वालों के लिए

एक साथ रील्स और यूट्यूब के लिए लॉन्ग वीडियो रिकॉर्ड करें



अक्सर हम मोबाइल से रील के लिए वर्टिकल वीडियो रिकॉर्ड करते हैं लेकिन जब उसी वीडियो को हॉरिजॉन्टल यूट्यूब के फॉर्मेट में पोस्ट करने की बारी आती है तो समझ नहीं आता कि इसे कैसे एडिट किया जाए। अब इसकी टेंशन लेने की जरूरत नही। एक ऐसा ऐप भी है जो एक साथ वीडियो को वर्टिकल और हॉरिजॉन्टल दोनों फॉर्मेट में रिकॉर्ड करता है ताकि इसे रील्स और यूट्यूब के लॉन्ग वीडियो के लिए इस्तेमाल किया जा सके। ऐप का नाम है डुओशॉट। यह उन क्रिएटर्स के लिए सबसे बेहतर है जो एक बार में दोनों तरह के फॉर्मेट में वीडियो रिकॉर्ड करना चाहते हैं।

STARTUP-MANTRA | स्टार्टअप की दुनिया में स्ट्रेटेजी बहुत अहम भूमिका निभाती है

प्रोफेशनल ग्रोथ के लिए इन बातों पर ध्यान देना जरूरी

आज के दौर में हर सेक्टर में सैंकड़ों स्टार्टअप एक जैसी समस्या का हल लेकर बाजार में उतर रहे हैं। ऐसे में सवाल यह नहीं रहता कि आपका आइडिया अच्छा है या नहीं, बल्कि यह है कि आप बाकी सबसे अलग और आगे कैसे दिखते हैं। स्टार्टअप की दुनिया में कॉम्पिटिटर से आगे निकलना सिर्फ किस्मत का खेल नहीं है – इसके पीछे कुछ ठोस रणनीतियां और कुछ ऐसी गलतियां हैं जिनसे बचना जरूरी है। जानिए, इनके बारे में...

1. **प्रॉब्लम को गहराई से समझें:** सबसे बड़ी गलती जो नए फाउंडर्स करते हैं, वह है सॉल्यूशन पर फोकस करना और प्रॉब्लम को सतही तौर पर समझना। जो स्टार्टअप ग्राहक की असली तकलीफ को गहराई से समझते हैं, वे ऐसा प्रोडक्ट बनाते हैं जो सिर्फ "ठीक-ठाक" नहीं बल्कि वाकई जरूरत पूरी करता है। कॉम्पिटिटर से आगे निकलने की पहली शर्त यही है, प्रॉब्लम की गहरी समझ, जो सतही आइडिया की कॉपी करने वालों के पास नहीं होती।
2. **स्पीड और एग्जीक्यूशन:** आइडिया लगभग हर किसी के पास होता है, लेकिन उसे तेजी से और बेहतर तरीके से एग्जीक्यूट कौन करता है, यही फर्क तय करता है। तेज फैसले, तेज प्रोडक्ट अपडेट, और तेज ग्राहक फीडबैक लूप, ये तीनों मिलकर स्टार्टअप को कॉम्पिटिटर से आगे रखते हैं।
3. **यूनीक वैल्यू प्रपोजिशन:** अगर प्रोडक्ट सिर्फ मौजूदा चीजों का एक और वर्जन है, तो ग्राहक के पास आपको चुनने की कोई ठोस वजह नहीं होगी। सफल स्टार्टअप वही है जो कोई ऐसी चीज ऑफर करते हैं जो बाकी नहीं करते, चाहे वह कीमत हो या अनुभव हो।



4. **मजबूत टीम और कल्चर:** प्रोडक्ट कितना भी अच्छा हो, उसे बनाने और बढ़ाने वाली टीम कमजोर हो तो लंबे समय में स्टार्टअप पिछड़ जाता है। सही लोगों को साथ लाना, उन्हें ओनरशिप देना, और एक ऐसा कल्चर बनाना जहां लोग टिके रहें।
5. **ग्राहक के साथ भरोसे का रिश्ता:** आजकल ग्राहक सिर्फ प्रोडक्ट नहीं, ब्रांड की नीयत भी परखते हैं। जो स्टार्टअप में पारदर्शिता बनाए रखते हैं, वादों पर खरे उतरते हैं, और गलती होने पर ईमानदारी से सुधार करते हैं, वे लंबे समय में भरोसा जीतते हैं।
6. **डेटा-फीडबैक का सही यूज:** जो स्टार्टअप ग्राहकों के व्यवहार व फीडबैक से लगातार सीखते हैं और प्रोडक्ट को उसी हिसाब से ढालते हैं, वे मार्केट की बदलती मांग के साथ तालमेल बिठाए रखते हैं। इसलिए डेटा को नजरअंदाज न करें।

1. **सिर्फ फंडिंग का पीछा करना:** बड़ी फंडिंग जुटाना सफलता की गारंटी नहीं है। कई स्टार्टअप भारी निवेश के बावजूद इसलिए फेल हो गए क्योंकि उनका फोकस प्रोडक्ट और ग्राहक की जगह सिर्फ अगला फंडिंग राउंड बन गया था। पैसा एक टूल है, मंजिल नहीं।
2. **हर ट्रेंड को फॉलो करना:** हर नए ट्रेंड या टेक्नोलॉजी (जैसे एआइ, ब्लॉकचेन) को सिर्फ इसलिए अपनाना क्योंकि कॉम्पिटिटर अपना रहे हैं, एक जल्दबाजी भरा फैसला हो सकता है।
3. **कॉम्पिटिटर की हर चाल कॉपी करना:** कॉम्पिटिटर पर नजर रखना जरूरी है, लेकिन उनकी हर स्ट्रैटेजी की नकल करना खतरनाक हो सकता है।
4. **जल्दी बड़े पैमाने पर स्केल करने की जल्दबाजी:** प्रोडक्ट-मार्केट फिट साबित होने से पहले तेजी से स्केल करना कई स्टार्टअप को डुबो चुका है। मजबूत नींव के बिना ग्रोथ अक्सर टिकाऊ नहीं होती।
5. **सिर्फ कीमत पर लड़ाई लड़ना:** प्राइस वॉर एक ऐसा रास्ता है जो शॉर्ट टर्म में ग्राहक ला सकता है, लेकिन लॉन्ग टर्म में मार्जिन खत्म कर देता है और बिजनेस मॉडल को कमजोर बनाता है। सिर्फ सस्ता होना कॉम्पिटिटिव एडवांटेज नहीं, बल्कि एक जोखिम भरी रणनीति है।

INNOVATION-NEWS

विसर्जन के बाद गणपति के अंश से बनाए 760 स्टडी टेबल



गणपति विसर्जन के बाद पानी के किनारे टूटी हुई प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियों (पीओपी) का ढेर लग जाता है। अकेले मुंबई में हर साल करीब डेढ़ लाख पीओपी मूर्तियां विसर्जित होती हैं, जिनसे लगभग 675 टन कचरा बनता है, और पीओपी पानी में आसानी से घुलता नहीं है। इसी समस्या से महाराष्ट्र के मल्हार कालम्बे के मन में एक सवाल उठा कि क्या टूटी मूर्तियों को किसी काम की चीज में बदला जा सकता है। उन्होंने गुजरात के इनोवेटर डॉ. बिनीश देसाई के साथ मिलकर इस पर काम शुरू किया। दोनों ने देसाई की खास तकनीक की मदद से टूटी मूर्तियों के पीओपी को प्रोसेस करने का तरीका विकसित किया, जिससे कचरे को बेकार समझने के बजाय उपयोगी प्रोडक्ट्स में बदला जा सके। इस प्रक्रिया में पहले टूटी मूर्तियां जमा की जाती हैं, फिर उनसे पीओपी अलग किया जाता है। प्रोसेस के बाद इस मैटीरियल से 12 अलग-अलग तरह के प्रोडक्ट बनाए जा सकते हैं। इनमें से कई प्रोडक्ट बच्चों के लिए बेहद मायने रखते हैं।

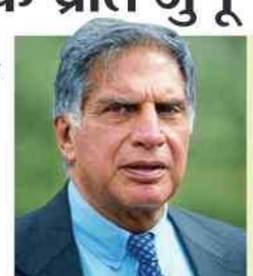
MOTIVATION-TIPS

शॉर्ट-टर्म सोच रखने का मतलब है, उस चीज के प्रति जुनून ही नहीं

रतनटाटा, भारत के सबसे सम्मानित उद्योगपतियों में से एक हैं, अक्सर इनोवेशन और बिजनेस के बारे में गहरी बातें कहते थे। उनका एक ऐसा ही विचार है – किसी फाउंडर को जज करने का तरीका। रतन टाटा का कहना था, "जो फाउंडर सिर्फ थोड़े समय के लिए हैं, या जिसे अपने सेक्टर के लिए कोई जुनून नहीं हैं, वह मुझे ज्यादा भरोसा नहीं देता।"

विचार क्यों खास?

यह बात सुनने में सीधी लगती है, लेकिन इसमें स्टार्टअप की दुनिया की एक बड़ी सच्चाई छिपी है। आजकल कई लोग स्टार्टअप सिर्फ इसलिए शुरू करते हैं क्योंकि यह "ट्रेंड" में है, या जल्दी पैसा कमाने का जरिया लगता है। रतन टाटा का मानना था कि यह तरीका खतरे की घंटी है।



- रतन टाटा का मानना था सफलता की चाबी आइडिया में नहीं, लगन में होती है
- सोच हमेशा लम्बे समय के लिए होनी चाहिए, तभी उसका असर दिखता है
- रतन टाटा शॉर्ट टर्म सोच को निवेशकों के लिए खतरे की घंटी मानते थे

जुनून-इनोवेशन

रतन टाटा का मानना था कि अगर किसी फाउंडर में असली जुनून और इनोवेशन है, तो उसे सपोर्ट किया जाना चाहिए। भले ही हर इन्वेस्टमेंट सफल न हो। यानी टाटा के लिए सिर्फ आइडिया या मार्केट पोटेंशियल काफी नहीं था, फाउंडर की नीयत और लगन भी उतनी ही मायने रखती थी। रतन टाटा का यह विचार आज के हर यंग एंटरप्रेन्योर के लिए एक आईना है कि सफलता की चाबी सिर्फ आइडिया में नहीं, बल्कि उसके पीछे की सच्ची लगन में छिपी होती है।

SIDE EARNING | लेखन के क्षेत्र में भी अर्निंग के मौके ही मौके

बायोग्राफी-मेमोयर राइटिंग से ऐसे करें कमाई

पत्रिका फीचर डेस्क
patrika.com

अगर आप लिखना पसंद करते हैं और लोगों की कहानियों को सुनने में रुचि रखते हैं, तो बायोग्राफी और मेमोयर राइटिंग आपके लिए एक शानदार साइड इनकम बन सकती है। बुजुर्गों, छोटे कारोबारियों, परिवारों और कम्पनियों को अपनी जीवन-कहानी या संस्थान का इतिहास लिखवाने की जरूरत होती है, लेकिन इस काम को करने वाले सेवा प्रदाता बहुत कम हैं। यह एक प्रीमियम सेवा है जो अच्छी कीमत पर बिकती है।



शुरुआत कैसे करें?

1. **नमूना तैयार करें:** पहले किसी परिचित से अनुमति लेकर उनकी जीवन कहानी का एक नमूना लिखें। यह आपका पोर्टफोलियो बनेगा।
2. **वेबसाइट या ब्लॉग बनाएं:** अपनी सेवाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक वेबसाइट बनाएं जहां आप सेवा का विवरण, मूल्य और पिछले प्रोजेक्ट शामिल करें।
3. **सोशल मीडिया पर मौजूद रहें:** लिंक्डइन, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर नियमित पोस्ट करें।
4. **नेटवर्किंग करें:** पेंशन क्लबों, उद्योग संघों, सामाजिक संगठनों और बुजुर्ग आश्रमों में संपर्क बनाएं।

कौन हैं आपके ग्राहक?

- **बुजुर्ग और रिटायर्ड लोग:** जिन्हें अपनी जिंदगी की यादें किताबी रूप में सहेजनी हैं।
- **छोटे बिजनेसमैन:** जिन्हें अपनी कंपनी की स्थापना का इतिहास लिखवाना है।
- **फैमिलीज:** जो अपनी पारिवारिक विरासत को दस्तावेज के रूप में सुरक्षित रखना चाहते हैं।
- **सरकारी और निजी नेता:** जिनके जीवन का विस्तार से वर्णन प्रेरक हो सकता है।

जरूरी स्किल

1. **साक्षात्कार लेने की कला:** सही सवाल पूछकर महत्वपूर्ण जानकारी निकालना।
2. **हिंदी लेखन:** व्याकरण और शैली दोनों में दक्षता।
3. **शोध:** तथ्यों की पड़ताल और सत्यापन करना।
4. **संवेदनशीलता:** लोगों की व्यक्तिगत भावनाओं को समझना।

मार्केटिंग की रणनीति

- अपने पिछले काम के टेस्टिमोनियल्स वेबसाइट पर प्रदर्शित करें।
- यूट्यूब पर छोटे नमूने (30-सेकंड की कहानियां) शेयर करें।
- स्थानीय अखबारों और समाचार पत्रों में अपनी सेवा का विज्ञापन दें।
- वॉट्सऐप बिजनेस का उपयोग करके संभावित ग्राहकों तक पहुंचें।

HELPING APP

15-50 वर्ष वालों के लिए

एक साथ रील्स और यूट्यूब के लिए लॉन्ग वीडियो रिकॉर्ड करें

अक्सर हम मोबाइल से रील के लिए वर्टिकल वीडियो रिकॉर्ड करते हैं लेकिन जब उसी वीडियो को हॉरिजॉन्टल यूट्यूब के फॉर्मेट में पोस्ट करने की बारी आती है तो समझ नहीं आता कि इसे कैसे एडिट किया जाए। अब इसकी टेंशन लेने की जरूरत नही। एक ऐसा ऐप भी है जो एक साथ वीडियो को वर्टिकल और हॉरिजॉन्टल दोनों फॉर्मेट में रिकॉर्ड करता है ताकि इसे रील्स और यूट्यूब के लॉन्ग वीडियो के लिए इस्तेमाल किया जा सके। ऐप का नाम है डुओशॉट। यह उन क्रिएटर्स के लिए सबसे बेहतर है जो एक बार में दोनों तरह के फॉर्मेट में वीडियो रिकॉर्ड करना चाहते हैं।

CURRENT NEWS

करंट अफेयर्स क्लियर करने वाले सवाल-जवाब



पत्रिका फीचर डेस्क
patrika.com

Q1 एशियन गेम्स 2026 में 30 सितंबर तक भारतीय टीम्स ने कुल कितने पदक जीते?

30 सितम्बर, *2026 तक भारतीय टीमों ने विभिन्न टीम स्पर्धाओं में कुल नौ पदक जीते हैं। इनमें सात स्वर्ण और दो रजत पदक शामिल हैं। टीम स्पर्धाओं में क्रिकेट, कबड्डी, कंपाउंड तीरंदाजी, ट्रैप शूटिंग और अन्य सामूहिक स्पर्धाओं में भारतीय टीम्स शामिल हैं। 30 सितम्बर को कंपाउंड तीरंदाजी की पुरुष, महिला और मिश्रित टीम्स ने तीन स्वर्ण एवं शूटिंग की मिश्रित ट्रैप टीम ने एक स्वर्ण जीता।*

Q2 हाल ही वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे में शुभमन गिल ने कितने रन बनाए?

भारतीय *कप्तान शुभमन गिल ने 133 गेंदों पर 223 (नॉटआउट) रन बनाए। बीसीसीआई ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर उनकी पारी को 223* (133) दर्ज किया। गिल और रोहित शर्मा (101) की पारी की मदद से भारत ने 406 रन का लक्ष्य हासिल कर आठ विकेट से जीत दर्ज की।*

Q3 दादासाहेब फाल्के पुरस्कार 2024 से किसे सम्मानित किया गया?

वरिष्ठ *अभिनेता अनंत नाग को दादासाहेब फाल्के पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 22 सितम्बर, 2026 को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। यह भारतीय सिनेमा में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है।*

Q4 पीएम श्री योजना के तहत चौथे चरण तक कितने स्कूल चयनित किए गए थे?

शिक्षा *मंत्रालय की 2024-25 वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार चौथे चरण तक 32 राज्यों/ केंद्रशासित प्रदेशों तथा केंद्रीय विद्यालय संगठन और नवोदय विद्यालय समिति के कुल 12,084 स्कूल पीएम श्री योजना के लिए चयनित किए गए थे। पीएम श्री का पूरा नाम पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया है।*

Q5 आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के अनुसार वर्ष 2025 में भारत में कितने एयरपोर्ट थे?

आर्थिक *सर्वेक्षण 2025-26 के अनुसार, भारत में एयरपोर्ट्स की संख्या 2014 के 74 से बढ़कर 2025 में 164 हो गई। सर्वेक्षण में सामने आई जानकारी के अनुसार, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार भी है।*

Skill-Activities

कॉलेज के दौरान ऐसी कई गतिविधियां होती हैं जो स्टूडेंट्स की सक्रिय और कुशल एस्पिरेंट्स बनने में मदद करती हैं।

पढ़ाई के साथ कॅरियर का तालमेल बिठाने में मददगार होंगी

स्टूडेंट सेंटर्ड एक्टिविटीज

पत्रिका फीचर डेस्क
patrika.com

कॉलेज में पढ़ाई के साथ स्टूडेंट्स सेंटर्ड एक्टिविटीज (एससीए) में भाग लेना आपके व्यक्तित्व और कॅरियर तैयारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 उच्च शिक्षा में छात्र केंद्रित और समग्र विकास पर जोर देती है।

क्या-क्या किया जा सकता है?

कॉलेज में डिबेट, क्विज, स्टूडेंट्स क्लब, सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल, एनएसएस, एनसीसी, सामाजिक सेवा, फील्ड प्रोजेक्ट, रिसर्च, वर्कशॉप, सेमिनार, स्टार्टअप एक्टिविटीज और इंटर्नशिप जैसी गतिविधि एससीए का हिस्सा हो सकती हैं।

कौनसी स्किल्स विकसित होती हैं?

- **कम्युनिकेशन:** प्रस्तुति, मंच संचालन, चर्चा और लोगों से बातचीत से अपनी बात स्पष्ट रखने का अभ्यास होता है।
- **टीमवर्क:** आयोजन में अलग स्वभाव व क्षमताओं वाले लोगों के साथ काम करना सीखते हैं।
- **लीडरशिप:** टीम को जिम्मेदारी देना, काम बांटना, निर्णय लेना और परिणाम की जिम्मेदारी उठाना नेतृत्व का व्यावहारिक अनुभव देता है।
- **प्रॉब्लम सॉल्विंग:** प्रोजेक्ट में आने वाली समस्या का समाधान खोजने का अभ्यास होता है।
- **क्रिटिकल थिंकिंग:** प्रोजेक्ट्स सवाल पूछने और विभिन्न पक्षों को समझने का अवसर देते हैं।
- **डिजिटल व प्रेजेंटेशन स्किल्स:** आपको डेटा, प्रेजेंटेशन, रिपोर्ट और डिजिटल माध्यमों का सही व व्यावहारिक इस्तेमाल भी सीखने को मिलता है।



समय निर्धारण करें
पढ़ाई और गतिविधियों में तालमेल सबसे जरूरी एससीए का मतलब यह नहीं कि आप पढ़ाई के लिए कम समय दें। सप्ताह की शुरुआत में तीन सूचियां बनाएं-
- **जरूरी पढ़ाई:** असाइनमेंट, टेस्ट, प्रैक्टिकल और आगामी परीक्षा।
- **कॅरियर गतिविधियां:** इंटर्नशिप, प्रोजेक्ट, प्रतियोगिता या स्किल डेवलपमेंट।
- **एससीए:** क्लब मीटिंग, खेल, डिबेट या कार्यक्रम।

- ***समय प्रबंधन सीखने की प्रक्रिया:*** एससीए का एक फायदा यह है कि आप व्यवहार में समय प्रबंधन सीखते हैं और तय समय पर काम पूरे कर पाते हैं।
- ***सर्टिफिकेट से ज्यादा महत्वपूर्ण है अनुभव*** काम, जिम्मेदारी, समस्या समाधान के तरीके जैसे अनुभव रिकॉर्ड करें। इससे आप प्रैक्टिकल बन पाएंगे।
- ***हर गतिविधि में शामिल होना जरूरी नहीं:*** एक-दो ऐसी गतिविधियां चुनें जो आपकी रुचि और कॅरियर लक्ष्य से जुड़ती हों, चाहे हर एक्टिविटी में शामिल न हों।
- ***चुनौतियां भी कम नहीं*** सभी कॉलेजों में समान स्तर की सुविधाएं, प्रशिक्षित मेंटर, बजट और उद्योग से जुड़ने के अवसर उपलब्ध हों, यह जरूरी नहीं।

- ***एससीए का सही फॉर्मूला*** पढ़ाई + सीमित व सार्थक गतिविधियां + समय प्रबंधन + जिम्मेदारी + अनुभव का रिकॉर्ड = कॅरियर तैयारी। कॉलेज की गतिविधियों का उद्देश्य काम करना, समस्या सुलझाना, समय पर निर्णय लेना और अपनी बात प्रभावी ढंग से रखना है।

PRODUCTIVE STUDY

खुद के लिए रिवॉर्ड तय करें, ताकि हर छोटी सफलता विशेष हो।

सेल्फ स्टडी और टेस्टिंग मैथड से अपडेट होगी आपकी पढ़ाई

पढ़ाई में अगर आप नए प्रयोग करेंगे, तो इससे आप अपने लक्ष्यों तक तो पहुंच पाएंगे ही, साथ ही उत्साहित और ऊर्जावान भी बने रहेंगे। इसके लिए आपको कुछ टिप्स अपनाने की जरूरत होगी-

- **दूसरों** से अपनी तुलना न करें, लेकिन प्रतिस्पर्धा को जरूर अपनाएं।
- **दृष्टिकोण** बदलें और सुधार के लिए मिले सुझावों को खुद पर लागू करें।
- **एडवांस्ड** अप्रोच लाएं, ताकि निर्णय क्षमता बढ़े।
- **एकांत** अध्ययन पर ज्यादा फोकस करें।
- **ऐसी** एक्टिविटीज अपनाएं जिनमें आप खुद फिट हों।
- **निगेटिविटी** से बचें और ऐसी बातें करने वाले लोगों से भी जरूरी हो, तो ही बात करें।



- **तय** समय पर पढ़ाई करें और तय समय पर ही दूसरे काम भी करें। इससे आपका रुटीन खुद-ब-खुद बनता चला जाएगा।
- **आपके** एग्जाम में आप खुद ही होंगे, कोई और नहीं, अत: अकेले में स्टडी व सेल्फ टेस्ट को प्राथमिकता दें।

एक्टिविटीज में बदलाव लाएं

जब आलस्य बढ़ता है तो टालमटोल करने का रवैया पनपने लगता है। ऐसे में आपको अपनी एक्टिविटीज में बदलाव करने की जरूरत है। छोटे-छोटे लक्ष्य बनाएं। बड़े लक्ष्य में से ही छोटे लक्ष्य निर्धारित कर लें। हर लक्ष्य की प्राप्ति पर खुद के लिए रिवॉर्ड भी तय कर लें।

दूसरे सोतों से प्रेरणा लें

अपनी अप्रोच बदलें और जिन्हें फॉलो करते हैं, उन आदर्शों के बारे में सोचें। छोटे-छोटे सुधारात्मक बदलाव आपको उत्साहित रूप से पढ़ाई के रास्ते पर आगे ले जाएंगे। अपने प्रेरक खुद बनें, साथ ही दूसरे सोतों से भी प्रेरणा लेते रहें। पॉजिटिव एटिट्यूड रखें।

KNOWLEDGE-CORNER

शरीर के इम्यून सिस्टम को समझिए



चिकित्सा के क्षेत्र में तीन वैज्ञानिकों, अमरीका की मैरी ब्रन्को, फ्रेड रैम्सडेल और जापान के शिमोन सकागुची को नोबेल सम्मान दिया गया जो पेरिफेरल इम्यून टॉलरेंस पर काम कर रहे हैं। इम्यून सिस्टम शरीर का जटिल नेटवर्क है जो कोशिकाओं, ऊतकों, अंगों और प्रोटीनों से मिलकर बनता है। यह शरीर को संक्रमण, बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी, कैंसर कोशिकाओं और अन्य हानिकारक पदार्थों से बचाता है।

इसके मुख्य घटक हैं, **कोशिकाएं:** श्वेत रक्त कोशिकाओं में बी-सेल्स, टी-सेल्स, मैक्रोफेज, न्यूट्रोफिल्स और नेचुरल किलर सेल्स शामिल हैं। बी-सेल्स एंटीबॉडी बनाते हैं, जबकि टी-सेल्स संक्रमित कोशिकाओं को नष्ट करते हैं।

अंग: थाइमस टी-सेल्स को परिपक्व करता है। स्प्लीन रक्त को छानता है और पुरानी कोशिकाओं को हटाता है। लिम्फ नोड्स और बोन मैरो भी प्रतिरक्षा तंत्र के प्रमुख अंग हैं। प्रोटीन और अन्य एंटीबॉडी, साइटोकाइन्स, कॉम्प्लिमेंट सिस्टम जो रोगाणुओं को चिह्नित और नष्ट करते हैं। यह दो मुख्य भागों में काम करता है: जन्मजात (इनेट) और अनुकूली (एडेप्टिव) प्रतिरक्षा। दोनों एक साथ मिलकर रक्षा करते हैं। कुल मिलाकर, इम्यून सिस्टम एंटीजन को पहचानता है, खत्म करता है। यह कमजोर हो या ज्यादा सक्रिय हो, तो संक्रमण या ऑटोइम्यून रोग हो सकते हैं। स्वस्थ आहार, व्यायाम और नींद इसे ठीक रखते हैं।

COURSE CLICK

ओपन स्कूल एडमिशन

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय खुला विवि ने 13 अक्टूबर तक मांगे आवेदन

इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) ने अपने जुलाई 2026 सत्र के लिए फ्रेश एडमिशन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 13 अक्टूबर, 2026 कर दी है। यह बढ़ी हुई तिथि ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) और ऑनलाइन मोड से संचालित होने वाले सभी अधिसूचित कार्यक्रमों के लिए लागू होगी। हालांकि, सेमेस्टर आधारित और सर्टिफिकेट प्रोग्राम इस अवधि में शामिल नहीं किए गए हैं।



इन कोर्सेज के लिए करें अप्लाई

इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी से अगर आप पढ़ाई करना चाहते हैं, तो यहां से आप डिप्लोमा एवं डिग्री कोर्सेज में एडमिशन ले सकते हैं। इसके साथ ही यहां से आप ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन व एमबीए जैसे प्रोग्राम्स के लिए भी आवेदन कर सकते हैं।

नियम व शर्तें भी समझ लें

यदि आप इग्नू से पढ़ाई करने की इच्छा रखते हैं तो आप इसकी वेबसाइट और क्षेत्रीय कार्यालयों पर विजिट कर कोर्सेज, एडमिशन और प्रवेश हेतु आवश्यक योग्यताओं और अर्हताओं की जानकारी जुटा सकते हैं। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे आवेदन से पहले सभी नियम-कायदों की जानकारी कर लें। ज्यादा जानकारी के लिए इग्नू की वेबसाइट विजिट करें-

व

SELF-HELP

एक्टिव स्टडी को बूस्ट कर सकते हैं डेली रिवीजन से



एक्टिव स्टडी वही है जो याद रखने में आपकी मदद करती है। इसके लिए रिवीजन करते हुए पढ़ सकते हैं। इससे आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। नियमित पढ़ने के साथ ही हर दिन के टाइम टेबल में से तय समय रिवीजन के लिए भी रखें।

- **जब** आप किसी सब्जेक्ट या टॉपिक को रिवाइज करते हैं तो यह न केवल आपको अच्छी तरह से याद हो जाता है, बल्कि आपका आत्मविश्वास भी बढ़ता है।
- **हर** सब्जेक्ट के टॉपिक्स अलग रहें, अत: टॉपिक के तुरंत बाद रिवाइज करें।
- **संडे** या किसी छुट्टी वाले दिन रिवीजन को ज्यादा समय दें।
- **लिखते** हुए ही रिवाइज करें, ताकि आपकी लेखन की आदत बेहतर रहे।
- **रिवीजन** से आपके अंदर पॉइंट्स में लिखने की आदत विकसित होती है।
- **शॉर्ट** नोट्स का विकास भी रिवाइज करते हुए खुद ही होता है।
- **नियमित** पढ़ाई के दौरान थोड़ी देर का समय रिवीजन के लिए भी रखें।
- **पढ़ाई** के साथ रिवीजन को पूरा महत्त्व दें। यह न सोचें कि बार-बार क्यों पढ़ना।
- **वीडियो** लेक्चर्स की सहायता भी ले सकते हैं।

Board Education

9वीं से 12वीं तक के लिए

शिक्षा जीवन की तैयारी नहीं, बल्कि स्वयं जीवन है। -जॉन ड्यूई, अमरीकी दार्शनिक व मनोवैज्ञानिक

EXAM CALENDAR

RPSC RAS 2026 परीक्षा दिसम्बर में संभव, ऐसी हो तैयारी



आरपीएससी (राजस्थान लोक सेवा आयोग) की राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी प्रारंभिक परीक्षा की संभावित तिथि 06 दिसम्बर, 2026 प्रस्तावित है। इसमें सामान्य ज्ञान एवं सामान्य विज्ञान से 150 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाते हैं। पेपर 200 अंकों का और अवधि 3 घंटे है। प्रत्येक गलत उत्तर पर 1/3 अंक की नकारात्मक अंक व्यवस्था है। तैयारी में केवल राजस्थान सामान्य ज्ञान पर निर्भर रहने के बजाय राजस्थान का इतिहास व संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, भारतीय इतिहास, सामान्य विज्ञान, पर्यावरण और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय समसामयिक घटनाओं को नियमित रूप से पढ़ें। रोजाना सीमित और नियमित अध्ययन करें। पिछले प्रश्न-पत्रों से प्रश्नों का अभ्यास, समयबद्ध मॉक टेस्ट और गलत उत्तरों की अलग नोटबुक बनाना उपयोगी रहेगा। ज्यादा जानकारी के लिए आधिकारिक वेबसाइट विजिट करते रहें।

rpsc.rajasthan.gov.in

READERS REQUEST

सीसीयू से जुड़ी स्किल्स

बीएससी नर्सिंग के बाद क्रिटिकल केयर यूनिट से जुड़े कोर्स व स्किल्स की जानकारी दीजिए? -राजेन्द्र राय, नई दिल्ली

एक्सपर्ट- - सबसे पहले, क्रिटिकल केयर नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा कोर्स या पीजी डिप्लोमा इन क्रिटिकल केयर नर्सिंग कोर्स किया जा सकता है। ये कोर्सेज छह माह से एक वर्ष तक की अवधि के हो सकते हैं। इसके लिए आपको विशेष प्रशिक्षण और कौशल विकसित करने की जरूरत होगी। आप एडवांस्ड कार्डियक लाइफ सपोर्ट, बेसिक लाइफ सपोर्ट जैसे सर्टिफिकेट्स भी प्राप्त कर सकती हैं। प्रमुख स्किल्स में आप आईसीयू उपकरणों (वेंटिलेटर, मॉनिटर आदि) का संचालन, दवा की सही डोज की जानकारी, तेज निर्णय क्षमता, इमोशनल स्थिरता और बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स सीख सकती हैं। इसके अलावा आपको प्रैक्टिकल अनुभव के लिए किसी अस्पताल के आईसीयू, सीसीयू या इमरजेंसी विभाग में इंटर्नशिप करनी चाहिए। आप जूनियर नर्स के तौर पर भी काम कर सकती हैं।

- दीपक सक्सेना, कॅरियर काउंसलर

आप भी भेजें अपने सवाल...

SCHOLARSHIP ALERT

शेफील्ड हैलम विवि ट्रांसफॉर्म टुगेदर छात्रवृत्ति

पत्रिका फीचर डेस्क
patrika.com

ब्रिटेन में पोस्ट-ग्रेजुएट पढ़ाई करने की योजना बना रहे एस्पिरेंट्स के लिए यहां की शेफील्ड हैलम यूनिवर्सिटी ने ट्रांसफॉर्म टुगेदर स्कॉलरशिप ऑफर की है। जनवरी 2027 इंटेक के लिए आवेदन की अंतिम तिथि एक नवम्बर, 2026 निर्धारित की गई है।



यह है योजना

- ***योग्य*** स्टूडेंट्स को पहले वर्ष की ट्यूशन फीस में 50 फीसदी की छूट दी जाएगी।
- ***पोस्ट-***ग्रेजुएट स्तर की पढ़ाई करना चाहते हैं, तो ही इसके लिए आवेदन के पात्र होंगे।
- ***इस*** छात्रवृत्ति का उद्देश्य प्रतिभावान स्टूडेंट्स को ब्रिटेन में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा हासिल करने का अवसर देना है।
- ***यह*** स्कॉलरशिप अंतरराष्ट्रीय स्तर का शैक्षणिक अनुभव हासिल करने और कॅरियर के लिए नई संभावनाएं तलाशने का मौका देगी।
- ***जानकारी*** के लिए विजिट करें-

STUDY MEDIUM

बोर्ड स्टूडेंट्स के लिए विषय की समझ व उत्तर लिखने की क्षमता ज्यादा जरूरी है।

क्या करें जब बोर्ड क्लास में चुन लिया हो हिंदी से अंग्रेजी माध्यम?

पत्रिका फीचर डेस्क
patrika.com

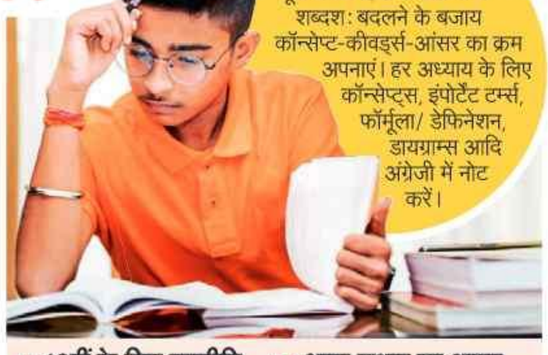
पढ़ाई का माध्यम हिंदी से अंग्रेजी हो गया है, तो 10वीं और 12वीं, दोनों बोर्ड क्लास स्टूडेंट्स के सामने बड़ी चुनौती केवल अंग्रेजी समझना नहीं, बल्कि अंग्रेजी में पढ़े गए विषय को याद रखना और परीक्षा में सही तरीके से लिखना भी है। एनसीईआरटी बुक्स की उपलब्धता हिंदी, अंग्रेजी सहित कई भाषाओं में है और उसके संसाधनों में बहुभाषी सीखने (मल्टी लैंग्वेज लर्निंग) को भी स्थान दिया गया है।

शुरुआत भाषा से नहीं, विषय से करें

पहले यह मानसिकता बदलें कि मेरी अंग्रेजी कमजोर है, इसलिए मैं विषय नहीं समझ सकता या सकती। किसी चैप्टर को पढ़ते समय पहले उसका अर्थ समझें। कठिन अंग्रेजी शब्द का हिंदी अर्थ लिखें, लेकिन पूरा अध्याय हर बार हिंदी में अनुवाद करने में समय न लगाएं। हर सब्जेक्ट की वोकैबलरी नोटबुक बनाएं। जैसे बायोलॉजी में सेल, टिश्यू, रेस्पिरेशन, फिजिक्स में वेलोसिटी, एक्सिलरेशन, रेजिस्टेंस और केमिस्ट्री में ऑक्सिडेशन, रिडक्शन, इक्विलिब्रियम जैसे शब्दों के साथ उनका सरल अर्थ और एक उदाहरण लिखें। इसके कुछ सप्ताह बाद यही शब्दावली पढ़ाई की भाषा बननी शुरू हो जाएगी।

तीन चरणों का रूट प्लान

- **पहला चरण (समझना):** अध्याय पढ़ते समय हर पैराग्राफ के बाद खुद से पूछें- इसमें क्या बताया और क्यों बताया गया है? इसके उदाहरण क्या हैं?
- **दूसरा चरण (याद करना):** किताब बंद कर पांच या दस बिंदु अपनी भाषा में बोलें या लिखें। दोबारा पढ़ते रहने के बजाय रिकॉल करें। इससे वास्तविक याद कर पाएंगे।
- **तीसरा चरण (लिखना):** उसी उत्तर को परीक्षा में इस्तेमाल होने वाली अंग्रेजी में लिखें। शुरुआत में सरल वाक्य लिखें। यह भी ध्यान रखें कि उत्तर सही, स्पष्ट और प्रश्न के अनुरूप हो।



12वीं के स्टूडेंट्स यह करें
पूरा चैप्टर हिंदी से अंग्रेजी में शब्दश: बदलने के बजाय कॉन्सेप्ट-कीवर्ड्स-आंसर का क्रम अपनाएं। हर अध्याय के लिए कॉन्सेप्ट्स, इंपोर्टेंट टर्म्स, फॉर्मूला/ डेफिनेशन, डायग्राम्स आदि अंग्रेजी में नोट करें।

- ***10वीं के लिए रणनीति अलग रखें:*** 10वीं में सभी मुख्य विषयों की नींव मजबूत करना जरूरी है। इसलिए रोजाना अंग्रेजी माध्यम के साथ भाषा और विषय, दोनों अभ्यास करें। सप्ताह में कम से कम तीन दिन प्रत्येक प्रमुख विषय का एक उत्तर अंग्रेजी में लिखें।
- ***भाषा सुधार का अलग समय न हो तो...*** विषय पढ़ते समय ही अंग्रेजी सुधारें। रोज 20-30 मिनट टॉपिक्स जोर से पढ़ना, दस नए शब्द लिखना व पांच या दस वाक्य अंग्रेजी में बोलना, लिखना आदि शुरुआती अभ्यास हो सकता है। शिक्षक से भी इससे जुड़े प्रश्न करते रहें।
- ***ऐसे बनाएं कमांड:*** पढ़ो-समझो-किताब बंद करो-याद से बोलो-अंग्रेजी में लिखो-उत्तर जांचो-गलती सुधारकर दोबारा लिखो। इस प्रक्रिया से आप भाषा पर कमांड बना सकते हैं। बोर्ड के अपडेटेड सिलेबस के साथ अपनी नई भाषा सीखने की जर्नी जारी रखें।

STUDENT ZONE

आत्मविश्वास और सपोर्ट से होगी तलाक के बाद फिर से पढ़ाई

Q तलाक के बाद मैं फिर से पढ़ना चाहती हूं, लेकिन कई बार खुद को कमजोर महसूस करती हूं, क्या करूं? - पूनम वर्मा, *जयपुर*

- पहली बात तो यह आपकी कमजोरी नहीं है, बल्कि यह भावनात्मक सपोर्ट की आपकी जरूरत को दर्शाता है। आपकी उदासी, चिंता, अकेलापन, आत्मविश्वास में कमी या पढ़ाई में मन न लगना असामान्य नहीं है। शुरुआत में 25 से 40 मिनट के स्टडी सेशन तय करें और छोटे ब्रेक्स लें। आसान विषयों से शुरुआत करें। परेशान हों, तो जो महसूस कर रही हों, उसे डायरी में लिखें। फैमिली, फ्रेंड्स या टीचर्स से बातचीत करें। फिर भी समस्या रहे, तो परामर्श लें।

Q पढ़ाई के साथ वॉलंटियरिंग के फायदे हैं या नुकसान? -विनय अग्रवाल, *भोपाल (मप्र)*

- सही समय और उद्देश्य हो तो पढ़ाई के साथ वॉलंटियरिंग उपयोगी अनुभव हो सकती है। इससे टीमवर्क, संवाद, जिम्मेदारी, समस्या-समाधान और लोगों के साथ काम करने जैसी सामाजिक एवं व्यावहारिक क्षमताएं विकसित हो सकती हैं। इसके लिए ऐसी गतिविधि चुनें जिसमें आपकी रुचि हो या जो आपके कॅरियर क्षेत्र से संबंधित हो। यदि इसके कारण पढ़ाई का समय कम हो, नींद प्रभावित हो, असाइनमेंट या परीक्षा की तैयारी न हो, तो रुटीन सुधारें।



डॉ. तनु गुप्ता,
मनोवैज्ञानिक,
एम्स जोधपुर

अपने प्रश्न हमें भेजें

स्टूडेंट जोन के साथ अपनी दिनचर्या व रिलेशनशिप से जुड़ी समस्याएं साझा करने के लिए हमें 9057531584 नं. पर हमें वॉट्सऐप मैसेज करें।

OPEN ADMISSION

ARMY SCHOOL: छठी व नौवीं क्लास में प्रवेश प्रारम्भ

उत्तर प्रदेश सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। ऐसे में सैनिक स्कूल में छठी या नौवीं क्लास में एडमिशन लेने के इच्छुक स्टूडेंट्स ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं। ध्यान रखें कि फॉर्म केवल ऑनलाइन ही स्वीकार किया जाएगा। वहीं, लेट फीस के साथ 31 अक्टूबर, 2026 तक फॉर्म भरा जा सकता है।

कोर्स: छठी व नौवीं क्लास

अंतिम तिथि: 25 अक्टूबर, 2026

upsainikschool.org

STUDY ABROAD

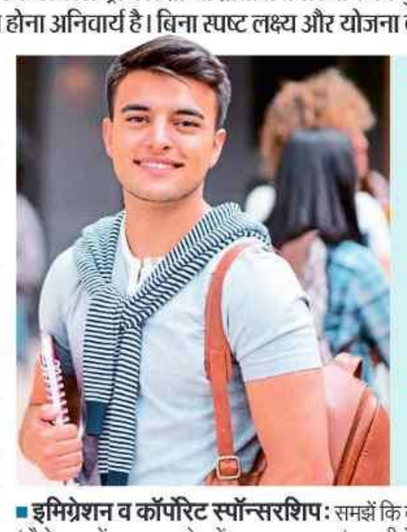
ग्लोबल जॉब मार्केट या अपने लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए सही जानकारी जुटाना आपके लिए जरूरी है।

बेहतर कॅरियर रोडमैप के साथ करें विदेश में शिक्षा की प्लानिंग

विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करना केवल एक अंतरराष्ट्रीय डिग्री या प्रतिष्ठित संस्थान का चुनाव नहीं है, बल्कि यह एक बड़ा वित्तीय और व्यक्तिगत निवेश है जिसके लिए शुरुआती स्तर से ही एक सुनियोजित कॅरियर रोडमैप होना अनिवार्य है। बिना स्पष्ट लक्ष्य और योजना के विदेश जाना अक्सर वित्तीय दबाव और डिग्री के बाद रोजगार संकट का कारण बनता है।

पत्रिका फीचर डेस्क
patrika.com

- **क्या पढ़ें:** बाजार मांग व भविष्य की स्किल्स और कोर्स का चयन केवल व्यक्तिगत रुचि या तात्कालिक ट्रेंड के आधार पर करने के बजाय अगले पांच से दस वर्षों के वैश्विक जॉब मार्केट को देखकर करें।
- **भविष्योन्मुख क्षेत्र:** आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स, रिन्यूएबल एनर्जी, सप्लाई चेन, बायोमेडिकल साइंसेज और साइबर सिक्योरिटी जैसे उभरते क्षेत्रों को प्राथमिकता दें।
- **प्रैक्टिकल व ओरिएंटेशन:** ऐसे कोर्सेज चुनें जिनमें 'को-ऑप', हैंड्स-ऑन प्रोजेक्ट्स या अनिवार्य इंटर्नशिप शामिल हो। अमरीका जैसे देशों में डिग्री अतिरिक्त 24 महीने का वर्क एक्सटेंशन देती है।
- **सॉफ्ट स्किल्स व क्रॉस-डिसिप्लिनरी क्षमताएं:** तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ क्रिटिकल थिंकिंग और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट को प्राथमिकता दें, साथ ही बहुसांस्कृतिक संवाद कौशल विकसित करने वाले प्रोग्राम्स पर भी फोकस करें।



- **कहां पढ़ें:** देश, नीति और का विश्लेषण यूनिवर्सिटी की रैंकिंग से ज्यादा महत्वपूर्ण उस देश की नीतियां और जॉब मार्केट की स्थिति होती है।
- **वर्क वीजा व स्टे-बैक नीतियां:** जिस देश को चुन रहे हैं, वहां 'पोस्ट-स्टडी वर्क वीजा' की अवधि और शर्तों की जांच करें (जैसे यूके, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी आदि के हालिया नियम)।
- **भाषा व स्थानीय स्वीकार्यता:** गैर-अंग्रेजी भाषी देशों (जैसे जर्मनी, फ्रांस, जापान) में पढ़ाई अंग्रेजी में होने के बावजूद स्थानीय भाषा सीखे बिना कॉर्पोरेट में नौकरी पाना बेहद कठिन होता है।
- **उद्योग केंद्रों से निकटता:** प्रमुख व्यापारिक शहरों के पास स्थित विश्वविद्यालयों और संस्थानों में कैम्पस प्लेसमेंट, नेटवर्किंग इवेंट्स, इंटर्नशिप और बाद में जॉब्स के बेहतर अवसर मिलते हैं।

- **इमिग्रेशन व कॉर्पोरेट स्पॉन्सरशिप:** समझें कि कौनसी कम्पनीज अंतरराष्ट्रीय छात्रों को वीजा स्पॉन्सर (जैसे में -1 , यूरोप में) करती हैं और उनके आवेदन चक्र क्या हैं।
- **प्लान-बी :** यदि वहां रुकना संभव न हो, तो डिग्री और अनुभव भारत या किसी अन्य देश में स्वीकार्य हों।

- **डिग्री के बाद क्या करें:** डिग्री पूरी होने के अंतिम महीनों में नौकरी तलाशने के बजाय पहले सेमेस्टर से ही कॅरियर एग्जिट स्ट्रैटजी पर काम शुरू कर दें।
- **सक्रिय नेटवर्किंग व एलुमनाई सम्पर्क:** पहले दिन से लिंक्डइन जैसे प्लेटफॉर्म व आपके संस्थान के पूर्व छात्रों व प्रोफेसरों के जरिए इंडस्ट्री कनेक्शन बनाएं।

की फैक्टर: *विदेश में पढ़ाई की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि छात्र डिग्री लेने के बाद अपनी योग्यता को किस तरह वैश्विक बाजार के अनुकूल बनाते हैं। सही समय पर सही फैसले ही इस बड़े निवेश को एक सफल अंतरराष्ट्रीय कॅरियर में बदल सकते हैं।*



प्रो.अशोक कुमार
शिक्षाविद
patrika.com

अलर्ट: विदेश में किसी भी कोर्स के चुनाव व इससे जुड़े अवसरों, वीजा, परमिट सहित नियम-कायदों की जानकारी जुटा लें। संबंधित दूतावास विजिट करें एवं उचित परामर्श लें।